

ग्लेव् 1. 4. (सेवने) colere, venerari; cf. गेव्, केव्, खेव्, सेव्.

ग्लेष् 1. 4. i. q. गेष् et गवेष् q. v.

ग्लै 1. P. (part. pass. ग्लान, gr. 611.) 1) fatigare, defatigare. 2) contristare, dolore afficere. Pass. ग्लाये. SA. 3. 23.: सावित्र्या ग्लायमानायास् तिष्ठन्त्याश्च दिवानिशम्. - Caus. ग्लापयामि et ग्लपयामि (gr. 519. 520.) facere ut alqs defatigetur, contristetur. RAGH. 16. 38.: निदाघग्लपिताम् इवो 'वौम्. (P. ग्लानि, ग्ला-

स्तु et cf. lat. *lābor* quod a fatigatione nominatum esse potest et formā cum Caus. ग्लापयामि convenit, mutatā tenui in mediam et abjectā initiali gutturali, sicut in *lassus*, si hoc cum ग्लास्तु q. v. cohaeret.)

c. परि i. q. simpl. परिग्लान languore confectus, exhaustus. N. 11. 25.: आन्तस्य ते बुधार्तस्य परिग्लानस्य.

c. परि praef. अभि id. MAH. 1. 4489.: बुच्छमाभिपरि-ग्लान.

ग्लौ m. luna.

घ

घष् 1. 4. (क्षो, scribitur घष्) stillare, effundere.

घस् 1. 4. (क्षरषो, scribitur घस्, gr. 110^a.) id.

घग्घ् 1. P. (हसने) ridere; cf. idem valentes formas गग्घ्, काष्, ककष्, खकष्, कक्क् et lat. *cachinnari*, gr. *καχάζω*, *καγγάζω*, goth. *hlaha*, v. खकष्.

घट् 1. 4. (चेष्टायाम् κ. चेष्टे v.) 1) ire, pervenire. Lass.

18. 8.: यदि मम हस्ते पुस्तकी ऽयङ् घटति (घटते?)

तदा 'हन् ताम् प्रियाञ् जीवापयामि; c. ablat. exire.

Lass. 36. 7.: तेन हस्ताद् घटितो रथो दर्शितः. 2) con-

jungere, conglutinare. UR. 49. 9. *infr.*: वज्रलेपघटि-

तम् इव मे हस्तयुगलन् न समर्था 'हम् अपनेतुम्.

3) facere, conficere. C' AUR. 22.: स्नेहैकपात्रघटिताम् अ-

वनीशपुत्रीम् (Schol. editionis Serampur. घटिताम् ex-

plicit per निर्मिताम्).

c. उत् 10. P. (उद्घाटयामि) 1) aperire. BHAR. 1. 62.:

निरयनगरद्वारम् उद्घाटयन्ती; MAH. 1. 4504.: उद्घा-

टनीयान्य् एतानि कुण्डानि; UP. 78.: सदस्य उद्घा-

टिता तत्र मञ्जुषा. 2) erigere, levare, sublevare (v.

उद्घाटिन् et apud Wils. उद्घाटनं, उद्घाटित. उ-

द्घाटिन् fortasse non ab उद्घट् sed a substantivo उ-

द्घाट elevatio descendit). HIT. 109. 11.: कार्यम् उ-

द्घाटितम्.

c. वि 1. 4. dissolvi, perire. HIT. 109. 11.: कार्यम् उद्घा-

टितङ् का 'पि मध्ये विघटते यतः (Ed. Ser. कार्यं

सुघटितङ् का 'पि दैवयोगाद् विनश्यति). MR. 66.

4. *infr.*: चारुदत्तस्य विभवे विघटिते.

c. सम् excitare. RAM. III. 55. 26.: भेरौमृदाङ्गवीणानाङ्

कोणसङ्घटितः ... शब्दः; v. घट्ट praef. वि.

घट m. (ut videtur, a r. घट्ट s. अ) magna hydria fictilis.

घटना f. (r. घट्ट s. अन in fem.) caterva elephantorum bellicorum. AM.

घट्ट 1. 4. 10. P. (चलने κ. चाले v.) movere, commo-

vere, वीणाम् विघट्टितुम् lyram pulsare. MR.

20. 3. Cf. घट्ट.

c. वि 1) movere, commovere. BHAR. 3. 36.: वायुवि-

घट्टिताभ्रपटली. 2) aperire. MAH. 2. 1674.: द्वारम् ...

विघट्टयन् काराभ्याम्.

c. सम् terere, conterere, fricare. RAGH. 6. 73.: सङ्घट्ट-

यन् अङ्गदम् अङ्गदेन (Schol. घर्षयन्).

घट्टन n. (r. घट्ट s. अन) tactio, ictus. RAGH. 11. 71.:

सप्तसर्प इव दण्डघट्टनाद् रोषितो ऽस्मि (Schol.

संयोगात्); v. घाट.

घण् 8. P. (दीप्तौ) fulgere; cf. घण्ट, कन्.

घण्ट 10. P. (भाषार्थे κ. क्षुतौ v.; scribitur घट्ट, gr. 110^a.)

loqui, splendere; v. घण्.

घण्टा f. (r. घण्ट s. आ) tintinnabulum. A. 2. 3.

घन (ut videtur, a हन् s. अ, mutato ह् in घ्, v. gr. 357.)

1) crassus, pinguis, turgidus. Lass. 6. 8.: घनैर वृक्षैः